बढ़ते प्रतिभा पूल की बदौलत भारतीय क्रिकेट एक 'बेहद शक्तिशाली' ताकत के रूप में विकसित हुआ है और यह अब देश के सुदूर कोने तक भी फैल गया है। भारतीय क्रिकेट के बढ़े हुए स्तर का उदाहरण घरेलू क्रिकेट से दिया।

– राहुल द्रविड़

पूर्व भारतीय दिग्गज खिलाड़ी, भारतीय क्रिकेट का उज्जवल भविष्य बताया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शुभमन गिल

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 8 सितंबर को अपना 25वां जन्मदिन मना रहे हैं। काफी कम समय में शुभमन गिल ने भारतीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है और वो क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया के रेगुलर खिलाड़ी बन चुके हैं। गिल इस समय भारतीय टी20 और वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं और उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के रूप में भी देखा जा रहा है। शुभमन गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी भी की थी।वो इस समय वर्ल्ड क्रिकेट में वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक ऐसा क्रिकेटर नहीं हुआ है जिसने नंबर 1 से 11 तक हर क्रम पर बल्लेबाजी की हो।,

जैवलिन थ्रो में भारत के नवदीप का सिल्वर बदला गोल्ड मेडल में

ईरानी खिलाड़ी के डिसक्वालीफाई होने का मिला फायदा

पेरिस, 8 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के सिल्वर मेडल को गोल्ड में बदल दिया गया। ये पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला गोल्ड मेडल पदक है। इसी के साथ भारत के 7 गोल्ड मेडल के साथ कुल 29 पदक हो गए हैं।

नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की। तीन साल पहले तोक्यो पैरालिंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालिंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली।

सादेघ ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया। फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया। सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था।

इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड धारक चीन के सन पेंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के नुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है। नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

पैरालिंपिक 2024 में भारत का बेहतरीन प्रदर्शन

भारत ने रिकॉर्ड 29 पदकों के साथ समापन किया

भारत मेडल टैली में 18वें नंबर पर रहा

पेरिस, 8 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत का सफर खत्म हो गया है। 8 सितंबर को कैनो स्प्रिंट में पूजा ओझा विमेंस 1 200 मीटर फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। मौजूदा गेम्स में भारत काये आखिरी इवेंट रहा। पेरिस पैरालिंपिक में भारत का सफर बेहतरीन रहा। अबकी बार भारत ने रिकॉर्ड 29 मेडल हासिल किए। इसमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत मेडल टैली में 18वें नंबर पर रहा है। भारत ने मेडल टैली में स्विट्जरलैंड, साउथ कोरिया बेल्जियम और अर्जेंटीन जैसे देशों को पीछे छोड़ा है।

देखा जाए तो पैरालिंपिक गेम्स में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और पिछले रिकॉर्ड्स ध्वस्त हो गए हैं। इससे पहले पैरालिंपिक गेम्स में भारत का सर्वश्रेष्ठ ध्वस्त हो गए हैं। इससे पहले पैरालिंपिक गेम्स में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टोक्यो में रहा था। टोक्यो में भारत ने 5 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। कुल 19 मेडल्स के साथ तब भारत ने 24वां स्थान हासिल किया था।वहीं भारत ने इस बार एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल जीते। इसमें चार गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पैरा बैडमिंटन है जिसमें एक गोल्ड के साथ 5 पदक और आए। पैरा शूटिंग में एक गोल्ड समेत 4 मेडल हासिल हुआ। उधर पैरा आर्चरी में भारत ने एक गोल्ड समेत 2 पदक और पैरा जूडो में 1 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। पहली बार भारत ने पैरालिंपिक गेम्स में इतने ज्यादा गोल्ड मेडल जीते हैं।

मोईन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन, 8 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली सफेद गेंद सीरीज के लिए टीम में नहीं चुने जाने पर इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया हैं। मोईन ने डेली मेल को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं 37 साल का हो गया हूं और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली सफेद गेंद श्रृंखला के लिये मेरा चयन नहीं हुआ। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेला है और अब अगली पीढ़ी का समय है, जैसा मुझे समझाया गया। मुझे लगा यही सही समय है अपने योगदान को विराम देने का।

उन्होंने कहा, अभी भी मैं कह सकता हूं कि इंग्लैंड के लिए खेलने की कोशिश जारी रखूंगा, लेकिन सच्चाई ये है कि ऐसा नहीं कर पाऊंगा। यहां तक कि मैं संन्यास इसलिए नहीं ले रहा कि मैं अब बेहतर नहीं खेल सकता – मुझे अब भी अपने ऊपर विश्वास है कि मैं खेल सकता हूं। लेकिन ये ऐसे ही चलता है, टीम एक अलग दिशा में जाती है। लिहाजा मैं अपने साथ ईमानदार रहना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, मुझे अपने ऊपर गर्व है। जब आप पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते हैं तो, ये नहीं पता होता है कि आप कितने मैच खेलने वाले हैं। लिहाजा 300 के आस-पास मैच खेलना बड़ी बात है। मैंने अपने करियर के शुरुआती कुछ साल टेस्ट क्रिकेट अधिक खेला। जब मॉर्गन सीमित ओवर के कप्तान बने तो फिर ज्यादा मजेदार सफर रहा। लेकिन टेस्ट क्रिकेट ही क्रिकेट का सर्वोच्च रूप था। उन्होंने फ्रैंचाइज क्रिकेट को लेकर कहा, मैं अभी भी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा, इसलिए कुछ फ्रैचाइज क्रिकेट में खेलूंगा। लेकिन कोचिंग एक ऐसी चीज है जिसे मैं आगे जाकर करना चाहूंगा और वहां भी मैं सर्वश्रेष्ठ होने का प्रयास करूंगा।

मैंने ब्रैंडन मक्कलम से काफी कुछ सीख सकता हूं। मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक जिंदादिल इंसान के तौर पर जाने। मैंने कई अच्छे शॉट्स लगाए हैं तो कई खराब शॉट्स भी खेले हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि लोग मेरा खेल पसंद करते थे। मोईन ने अली ने 2014 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते हुए बतौर ऑलराउंडर 68 टेस्ट, 138 एकदिवसीय और 92 टी-20 मैच खेले। इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर (सभी प्रारुप) में मोईन ने 6678 रन, आठ शतक, 28 अर्धशतक और 366 विकेट लिए। उन्होंने आखिरी बार इंग्लैंड का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रतिनिधित्व इसी वर्ष गयाना में किया था, जहां टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को भारत के हाथों हार मिली थी।

एरिना सबालेंका ने जीता यूएस ओपन

अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया

न्यूयॉर्क, 8 सितम्बर। बेलारूसी स्टार एरिना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 53 मिनट तक चला। 26 साल की सबालेंका पहली बार साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम की सिंगल्स कैटेगरी में चैंपियन बनी हैं। सबालेंका का यह ओवरऑल 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। वे इसी साल ऑस्ट्रेलिया ओपन 2024, 2023 में भी चैंपियन बनी थीं। वहीं, डबल्स कैटेगरी में 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। मेंस सिंगल्स कैटेगरी का फाइनल वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर और अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज के बीच खेला जाएगा। सिनर ने ब्रिटेन के ड्रैपर को 7-5, 7-6, 6-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई, जबकि अमेरिकी प्लेयर फ्रिट्ज ने सेमीफाइनल में अपने पुराने दोस्त और हमवतन फ्रांसिस टियाफो को 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराया। फ्रिट्ज 18 साल बाद ओपन मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले 2006 में एंडी रॉडिक ने यह कारनामा किया था।

एथलीड गोवा चैलेंजर्स ने जीता इंडियन ऑयल यूटीटी का खिताब

चेन्नई, 7 सितंबर। हरमीत देसाई और यांगजी लियू की अगुआई में एथलीड गोवा चैलेंजर्स ने शनिवार को इंडियनऑयल अल्टीमेट टेबल टेनिस 2024 के रोमांचक फाइनल में 2018 की चैंपियन दबंग दिल्ली टीटीसी को 8-2 से हराकर अपने खिताब को बरकरार रख कर इतिहास रच दिया। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में हरमीत और यांगजी ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करने से पहले अपने-अपने एकल मैच जीते और एथलीड गोवा चैलेंजर्स के लगातार दूसरे खिताब की ओर ऐतिहासिक कदम बढ़ाने में मदद की। हरमीत को टाई का भारतीय खिलाड़ी चुना गया, जबकि यांगजी को टाई का विदेशी खिलाड़ी चुना गया। पूरे सीजन में अपराजित रहने वाली यांगजी ने लीग की सबसे मूल्यवान (एमवीपी) महिला खिलाड़ी का खिताब भी अपने नाम किया। साथियान ज्ञानसेकरन को पुरुषों में एमवीपी चुना गया।

राजधानी

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय लिख रहे हैं आयुर्वेद का अद्वितीय ग्रन्थ 'यजुर्विदतन्त्र'

इस ग्रंथ के लेखन और प्रतिष्ठित प्रकाशन द्वारा छापने में लगभग 2 वर्षों का समय लगेगा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख डॉ. दीप नारायण पाण्डेय इन दिनों आयुर्वेद के अद्वितीय ग्रन्थ 'यजुर्विदतन्त्र' का लेखन कर रहे हैं। यह संहिता स्वास्थ्य की रक्षा हेतु आहार, विहार, सद्वृत्त,स्वस्थवृत्त, रसायन, प्रसन्नताविज्ञान, प्रज्ञाविज्ञान, जराविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण अनेक विषयों पर केंद्रित है। इसके माध्यम से, आयुर्वेदिक विज्ञान के गूढ़ रहस्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि यह जन-सामान्य के लिए भी सुलभ और समझने योग्य हो।

डॉ. पाण्डेय,जो आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की कई महत्वपूर्ण कमेटियों के सदस्य भी हैंने अपने दीर्घकालिक अनुभव और आयुर्वेद के गहन अध्ययन को इस ग्रंथ में समाहित किया है। 'यजुर्विदतन्त्र' के लेखन का उद्देश्य न केवल आयुर्वेद के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करना है, बल्कि इसके पीछे छिपे वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी उजागर करना है। यह ग्रंथ विभिन्न बीमारियों कीरोकथाम और स्वस्थ जीवन जीने के सिद्धांतों और उपयोग-योग्य ज्ञानको प्रतिपादित है। इसमें आहार, विहार, सद्वृत्त, और स्वस्थवृत्त जैसे विषयों को विशेष रूप से महत्व दिया गया है, जिनका पालन करने से न केवल शरीर की रक्षा होती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा मिलता है।

'यजुर्विदतन्त्र' ग्रंथ में विशेष रूप से आहार-विहार के महत्व को रेखांकित किया गया है। आहार (भोजन) को रोगों से बचाव का मूल माना गया है, और इसके माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को,बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी प्राप्त किया जा सकता है। यजुर्विदतन्त्र में बताया गया है कि किस प्रकार आहार को संतुलित और प्राकृतिक बनाए रखकर विभिन्न रोगों से बचाव किया जा सकता है।

विहार (जीवन शैली) पर चर्चा करते हुए, ग्रंथ में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उचित दिनचर्या, योग, और ध्यान की महत्ता को रेखांकित किया गया है। इसके अलावा, सद्वृत्त (अच्छे आचरण) और स्वस्थवृत्त (स्वास्थ्यप्रद व्यवहार) पर आधारित जीवन जीने के तरीकों का भी विस्तार से वर्णन किया गया है।

रसायन,प्रसन्नताविज्ञान,प्रज्ञाविज्ञान ,जराविज्ञान, वृक्षायुर्वेदजैसे विषयों को भी इस संहिता में समाहित किया गया है। रसायन के अंतर्गत दीर्घायु और स्वास्थ्य के लिए उपयोगी औषधियों और खाद्य पदार्थों का वर्णन किया गया है। प्रसन्नताविज्ञान के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और आनंदमय जीवन की दिशा में मार्गदर्शन दिया गया है। प्रज्ञाविज्ञान और जराविज्ञान में बुद्धि, स्मरणशक्ति, और वृद्धावस्था के दौरान स्वास्थ्य को बनाए रखने के उपायों का विस्तार से उल्लेख किया गया है।

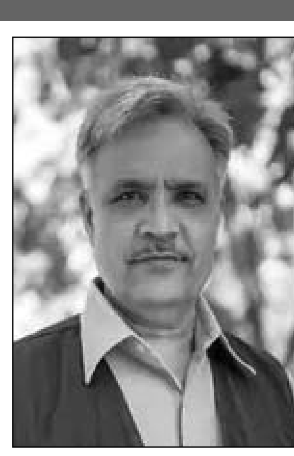

डॉ.दीप नारायण पाण्डेय

इस ग्रंथ के लेखन और प्रतिष्ठित प्रकाशन द्वारा छापने में लगभग 2 वर्षों का समय लगेगा। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसके प्रकाशन से पहले, 'यजुर्विदतन्त्र' का देश-विदेश के 1200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों, विद्वानों, और शोधकर्ताओं से ओपन पीयर-रिव्यू (समीक्षा) कराया जा रहा है। यह समीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि 'यजुर्विदतन्त्र' में प्रस्तुत जानकारी पूर्ववर्ती संहिताओं,समकालीन वैज्ञानिक शोध,और वैद्यों के अनुभव की दृष्टि से आलोकितहै। इसके माध्यम से, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यह ग्रंथ आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों के साथ आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा उतरे।

■ **इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसके प्रकाशन से पहले, 'यजुर्विदतन्त्र' का देश-विदेश के 1200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों, विद्वानों, और शोधकर्ताओं से ओपन पीयर-रिव्यू (समीक्षा) कराया जा रहा है।**

'यजुर्विदतन्त्र' के विशेष आकर्षण में से एक 'याज्यात्विषा त्रिवेणी' व्याख्या है। इस व्याख्या को संस्कृत,हिंदी और अंग्रेजी,तीनों भाषाओं में प्रस्तुत किया जाएगा,जिससे यह ग्रंथ न केवल भारत के भीतर,बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पढ़ने और समझने में आसान हो। 'याज्यात्विषा त्रिवेणी' व्याख्या के माध्यम से, ग्रंथ के मूल सिद्धांतों को अधिक गहराई से समझाया जाएगा, जिससे पाठक आसानी से समझ सकें कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में कैसे लागू किया जा सकता है।

'यजुर्विदतन्त्र' के प्रकाशन से आयुर्वेद की प्रतिष्ठा जन-सामान्य में और बढ़ेगी। इस ग्रंथ के माध्यम से, आयुर्वेद के प्राचीन विज्ञान को आधुनिक संदर्भ में पुनःस्थापित किया जाएगा। यह विज्ञान केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विश्वभर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकेगा।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय का यह प्रयास न केवल आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि आयुर्वेदिक विज्ञान को एक नई दिशा और दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा। आयुर्वेद के इस नए ग्रंथ के माध्यम से, सभी के लिए स्वास्थ्य की एक समग्र दृष्टि प्रस्तुत की जाएगी, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को एक साथ संतुलित करती है। 'यजुर्विदतन्त्र' के माध्यम से, डॉ. पाण्डेय का लक्ष्य जन-सामान्य के मध्य आयुर्वेद की प्राचीन विद्या को पुनर्जीवित करना और इसके महत्व को व्यापक स्तर पर फैलाना है। यह ग्रंथ न केवल चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी एक मूल्यवान संसाधन सिद्ध होगा।

'यजुर्विदतन्त्र' आयुर्वेद के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। डॉ. दीप नारायण पाण्डेय के इस प्रयास से आयुर्वेद की प्राचीन और समृद्ध परंपराएँ पुनः जीवित होंगी,और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई दिशाएँ और दृष्टिकोण विकसित होंगे। इस ग्रंथ के माध्यम से, आयुर्वेद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ समन्वय स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अखिल भारतीय हरियाणा ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह 15 को

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामूहिक गोठ कार्यक्रम रविवार 15 सितम्बर को श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम बस्सी में आयोजित होगा। सम्मान समारोह में इस वर्ष सैकेण्डरी से स्नातकोत्तर तक 85 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। रविवार को अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज धर्मशाला में आयोजित बैठक आयोजित हुई।

समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा ने बताया कि इस वर्ष नीट एवं आईआईटी में सलैक्ट होने वाले छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया जाएगा। साथ ही सितंबर 2023 से अगस्त 2024 तक समस्त राजकीय सेवाओं में चयनित होने वाली सभी प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम अलियाबाद ने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 25 हजार समाज बंधुओं के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शंभुलाल कुईवाला ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए कई भामाशाहों ने सहयोग राशि की घोषणा की। बैठक में राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कांजला, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान नायला, बाबूलाल खेड़ी, आदि समाज बंधु मौजूद रहे।

कलैक्टर ने सांगानेर में लिया विकास कार्यों का जायजा

ज़िला कलैक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने रविवार को सांगानेर में विकास कार्यों का जायजा लिया। कलक्टर ने सैटेलाइट अस्पताल की भूमि का मौका मुआयना किया।

जयपुर । ज़िला कलैक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने रविवार को सांगानेर में विकास कार्यों का जायजा लिया। कलक्टर ने सैटेलाइट अस्पताल की भूमि का मौका मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सोनी ने संबंधित मुख्य अभियंता को जल्द से जल्द सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए निर्देशित किया।

कलक्टर ने बताया कि सैटेलाइट हॉस्पिटल के जिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने 25142 वर्ग मीटर भूमि का पट्टा जारी कर दिया है।

■ **प्रस्तावित सैटेलाइट अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए**

जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त परिवादों के उचित संधारण एवं समयबद्ध, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कलक्टर के दौरे के दौरान उपखंड अधिकारी सांगनेर हिम्मत सिंह, तहसीलदार अरविंद कविया सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सूरत महानगर पालिका महापौर दक्षेश मवानी का अभिनंदन

जयपुर। शनिवार को जयपुर प्रवास पर आए सूरत महानगर पालिका के महापौर दक्षेश मवानी का विप्र फाउंडेशन की ओर से अभिनंदन किया गया। सूरत महापौर ने विप्र फाउंडेशन के जनहित कार्यों की भरपूर सराहना की और बताया कि मुझे इंटरनेशनल सोसायटी फॉर परशुराम कोंशसनेस की ओर से राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हर्षा त्रिवेदी का पत्र प्राप्त हुआ है। इस्पेक के अनुरोध पर शीघ्र ही महानगर पालिका की ओर से सूरत में भगवान परशुराम जी के नाम पर एक सर्किल बनाया जाएगा। महापौर का अभिनंदन करने वालों में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, इस्पेक के राष्ट्रीय प्रभारी प्यारे लाल शर्मा, पार्षद मुकेश शर्मा काका, पारस जैन, जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष रमेश मावेवाला, जोन-1 के संगठन महामंत्री राहुल शर्मा, पुष्पेंद्र शर्मा, जोनल मीडिया प्रभारी राहुल पांडे, रामबाबू शर्मा आदि उपस्थित थे।

जुगल प्रजापति को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य जुगल प्रजापति को महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए जलगांव लोकसभा क्षेत्र की 6 विधान सभा क्षेत्रों का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया हैं। इसमें जलगांव शहर, जलगाव ग्रामीण, अमलनेर, अरनडोल, चालीस गाम, पाचोरा शामिल है।

बोर्ड कार्यालय का उद्घाटन आज

जयपुर । श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के नवीन कार्यालय का उद्घाटन 9 सितंबर 2024 को उद्यिमता एवं विकास संस्थान झालाना सांस्थानिक एरिया (आरएसएलडीसी) जयपुर में दोपहर 12:15 बजे होगा। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के कौशल नियोजन एवं उद्यिमता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं राज्यमंत्री के.के.बिश्नोई होंगे। विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार कल विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर पद भार ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में कौशल नियोजन व उद्यिमता विभाग के अधिकारी सहित विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नागरिक एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

नाहरगढ़ से लापता युवक की बरामदगी के लिए हाईकोर्ट में याचिका

जयपुर। नाहरगढ़ की पहाड़ियों से लापता हुए युवक राहुल पाराशर की बरामदगी को लेकर उसके पिता ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ मामले में सोमवार को सुनवाई करेगी।

राहुल पाराशर के पिता सुरेश चंद्र शर्मा की ओर से दायर इस याचिका में कहा गया कि उसके बेटे को किसी ने कैद कर लिया है। ऐसे में उसकी जान को खतरा है। इसलिए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए जाए कि उसे तलाश कर कोर्ट में पेश करे। याचिका में पुलिस पुलिस की लापरवाही की बात भी कही गई है

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। सिंधी कैंप थाना इलाके में एक होटल में युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने उसे नौकरी लगाने के बहाने मिलने के लिए बुलाया था और फिर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पिड़िता ने आरोपित के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि हरियाणा निवासी 25 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि पिछले कुछ समय पहले उसका प्रशांत नाम के लड़के से सम्पर्क हुआ था। बातचीत के दौरान आरोपित ने उसे अच्छी सैलेरी पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। आरोप है कि बातों के जाल में आरोपित ने उसे नौकरी लगवाने के विश्वास में फांस कर नौकरी लगाने के बहाने उसे जयपुर के सिंधीकैम्प स्थित होटल में मिलने बुलाया। नौकरी की जरूरत के चलते वह बताए होटल में मिलने पहुंच गई।

मिलने जाने पर आरोपित ने उसके कोल्ड ड्रिंक पीने का ऑफर की। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिला होने के कारण वह बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर विरोध करने पर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।